SOCIAL STUDIES

Class 10th

(POLITICAL SCIENCE)

Chapter 7: लोकतंत्र के परिणाम

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी, ज़िम्मेवार और वैध सरकार का गठन करता है?
उत्तर:1 लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव होते है।
2 लोकतंत्र में फैसले बहुत ही पारदर्शी तरीके से होते हैं।
3 लोकतंत्र में प्रतिनिधि जनता द्वारा चुने जाते हैं।
4 लोगों के पास अगले चुनावों में सरकार बदलने का अधिकार होता है।
5 लोकतंत्र में सबको वोट डालने का अधिकार होता है।

प्रश्न 2. लोकतंत्र किन स्थितियों में सामाजिक विविधता को सँभालता है और उनके बीच सामंजस्य बैठाता है?
उत्तर: 1 लोकतंत्र विभिन्न समुदाय के बीच टकराव को कम करता है।
2 लोकतंत्र सभी समुहो को बराबरी का मौका देता है।
3 लोकतंत्र में सबको प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है।
4 लोकतंत्र में बातचीत के द्वारा विवादों का निपटारा किया जाता है।
5 गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था में अल्पसंख्यकों को दबाया जाता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों के पक्ष या विपक्ष में तर्क दें :

प्रश्न 3(i) औद्योगिक देश ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का भार उठा सकते हैं पर गरीब देशों को आर्थिक विकास करने के लिए तानाशाही चाहिए।
उत्तर : औद्योगिक देश ही लोकतांत्रिक व्यवस्था का भार उठा सकते हैं पर गरीब देशों को आर्थिक विकास करने के लिए तानाशाही चाहिए यह कथन गलत है क्योंकि तानाशाही में आर्थिक नीतियां जनता को फायदा देने के लिए नहीं बल्कि अपने फायदे के लिए बनाई जाती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जिम्मेदार सरकार होती है जो पारदर्शी तरीके से नीतियां बनाते हैं।

प्रश्न 3(ii) लोकतंत्र अपने नागरिकों के बीच की असमानता को कम नहीं कर सकता।
उत्तर: यह कथन गलत है क्योंकि
1 लोकतंत्र में सबको मतदान करने का अधिकार होता है।
2 लोकतंत्र सभी समुहो को बराबरी का मौका देता है।
3 लोकतंत्र में सबको प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है।
4 लोकतंत्र गरीब और पिछड़ों को आर्थिक सहायता देने की व्यवस्था करता है।
5 गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था में अल्पसंख्यकों को दबाया जाता है।

प्रश्न 3(iii) गरीब देशों की सरकार को अपने ज्यादा संसाधन गरीबी को कम करने और आहार, कपड़ा, स्वास्थ्य तथा शिक्षा पर लगाने की जगह उद्योगों और बुनियादी आर्थिक ढाँचे पर खर्च करने चाहिए।
उत्तर यह कथन गलत है क्योंकि गरीब देशों की सरकारों को गरीबी को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। अगर गरीबी कम होगी तो बुनियादी आर्थिक ढांचे अपने आप तैयार होने लगेंगे। आर्थिक विकास के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 3(iv) नागरिकों के बीच आर्थिक समानता अमीर और गरीब, दोनों तरह के लोकतांत्रिक देशों में है।

उत्तर नागरिकों के बीच आर्थिक समानता अमीर और गरीब, दोनों तरह के लोकतांत्रिक देशों में है। यह कथन सही है क्योंकि अमेरिका जैसे अमीर देशों में भी आर्थिक असमानता है और अफ्रीका के गरीब देशों में भी।

प्रश्न 3(v) लोकतंत्र में सभी को एक ही वोट का अधिकार है। इसका मतलब है कि लोकतंत्र में किसी तरह का प्रभुत्व और टकराव नहीं होता।
उत्तर: लोकतंत्र में सभी को एक ही वोट का अधिकार है। इसका मतलब है कि लोकतंत्र में किसी तरह का प्रभुत्व और टकराव नहीं होता। यह कथन गलत है समान वोट के अधिकार के बावजूद राजनीति में पैसे वालों और दबंगों का कब्जा होता है। समान वोट के अधिकार के बाद जाति धर्म के आधार पर टकराव होते रहते हैं।

प्रश्न 4. नीचे दिए गए ब्यौरों में लोकतंत्र की चुनौतियां की पहचान करें। ये स्थितियाँ किस तरह नागरिकों के गरिमापूर्ण, सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन के लिए चुनौती पेश करती हैं। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए नीतिगत-संस्थागत उपाय भी सुझाएँ :

(i) उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद ओडिसा में दलितों और गैर-दलितों के प्रवेश के लिए अलग अलग दरवाजा रखने वाले एक मंदिर को एक ही दरवाजे से सबको प्रवेश की अनुमति देनी पड़ी।
(ii) भारत के विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं।
(iii) जम्मू-कश्मीर के गंडवारा में मुठभेड़ बताकर जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा तीन नागरिकों की हत्या करने के आरोप को देखते हुए इस घटना के जाँच के आदेश दिए गए।

उत्तर:(I) यह स्थिति गरीमापूर्ण जीवन और भेदभाव की चुनौती है। इसके कारण दलितों को अपमान सहना पड़ता है। लोकतंत्र की इन चुनौतियों से निपटने के लिए कठोर कानून बनाने चाहिए।

(ii) यह स्थिति आर्थिक असमानता की चुनौती है। इससे निपटने के लिए किसान वर्ग की आर्थिक मदद करनी चाहिए। उनके ऋण माफ करने चाहिए।

(iii) यह स्थिति सुरक्षित और शांतिपूर्ण जीवन के लिए चुनौती है। इससे निपटने के लिए सरकारों को पारदर्शी पुलिस व्यवस्था बनानी चाहिए।

MUKUTclasses

प्रश्न 5. लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के संदर्भ में इनमें से कौन-सा विचार सही है - लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं ने सफलतापूर्वक :

(i) लोगों के बीच टकराव को समाप्त कर दिया है।
(ii) लोगों के बीच की आर्थिक असमानताएँ समाप्त कर दी हैं।
(iii) हाशिए के समूहों से कैसा व्यवहार हो, इस बारे में सारे मतभेद मिटा दिए हैं।
(iv) राजनीतिक गैर बराबरी के विचार को समाप्त कर दिया है।

उत्तर: (iv) राजनीतिक गैर बराबरी के विचार को समाप्त कर दिया है।

6. लोकतंत्र के मूल्यांकन के लिहाज से इनमें कोई एक चीश लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अनुरूप नहीं है। उसे चुनें:
(क) स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव
(ख) व्यक्ति की गरिमा
(ग) बहुसंख्यकों का शासन
(घ) कानून से समक्ष समानता

उत्तर: (ग) बहुसंख्यकों का शासन

प्रश्न 7. लोकतांत्रिक व्यवस्था के राजनीतिक और सामाजिक असमानताओं के बारे में किए गए अध्ययन बताते हैं कि
(i) लोकतंत्र और विकास साथ ही चलते हैं।
(ii) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में असमानताएँ बनी रहती हैं।
(iii) तानाशाही में असमानताएँ नहीं होतीं।
(iv) तानाशाहियाँ लोकतंत्र से बेहतर साबित हुई हैं।

उत्तर: (ii) लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में असमानताएँ बनी रहती हैं।

प्रश्न 8. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़ें -

नन्नू एक दिहाड़ी मशदूर है। वह पूर्वी दिल्ली की एक झुग्गी बस्ती वेलकम मशदूर कॉलोनी में रहता है। उसका राशन कार्ड गुम हो गया और जनवरी 2006 में उसने डुप्लीवेफट राशन कार्ड राशन विभाग के दफ्तर के कई चक्कर लगाए लेकिन वहाँ तैनात किरानी और अधिकारी उसका काम करने या उसके अर्जी की स्थिति बताने की कौन कहे उसको देखने तक के लिए तैयार न थे। आखिरकार उसने सूचना के बनाने के लिए अर्जी दी। अगले तीन महीनों तक उसने अधिकार का उपयोग करते हुए अपनी अर्जी की दैनिक प्रगति का ब्यौरा देने का आवेदन किया । इसके साथ ही उसने इस अर्जी पर काम करने वाले अधिकारियों के नाम और काम न करने की सूरत में उनके खिलाफ होने वाली कार्रवाई का ब्यौरा भी माँगा। सूचना के अधिकार वाला आवेदन देने के हफ्ते भर के अंदर खाद्य विभाग का एक इंस्पेक्टर उसके घर आया और उसने नन्नू को बताया कि तुम्हारा राशन कार्ड तैयार है और तुम दफ्तर आकर उसे ले जा सकते हो। अगले दिन जब नन्नू राशन कार्ड लेने गया तो उस इलाके के खाद्य और आपूर्ति विभाग के सबसे बड़े अधिकारी ने गर्मजोशी से उसका स्वागत किया। इस अधिकारी ने उसे चाय की पेशकश की और कहा कि अब आपका काम हो गया है इसलिए सूचना के अधिकार वाला अपना आवेदन आप वापस ले लें।

नन्नू का उदाहरण क्या बताता है? नन्नू के इस आवेदन का अधिकारियों पर क्या असर हुआ ? अपने माँ-पिताजी से पूछिए कि अपनी समस्याओं के लिए सरकारी कर्मचारियों के पास जाने का उनका अनुभव कैसा रहा है।

उत्तर: नन्नू के उदाहरण से हमें पता चलता है कि हर किसी को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। नन्नू के आवेदन देने के बाद अधिकारियों ने एक हफ्ते में ही उसका नया राशन कार्ड बना दिया। उस दफ्तर में बड़े अधिकारी पूरे सम्मान के स्वागत किया और कहा कि अपना आवेदन वापस ले लें। हमारे माता-पिता भी अपनी समस्याओं के लिए बार बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं।

MUKTI CLASSES